राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
माध्यमिक पाठ्यक्रम : हिंदी
पाठ 10 : पढ़ें कैसे
कार्यपत्रक - 10

प्रश्न : निम्नलिखित गदयांश को ध्यानपूर्वक पढ़िये और प्रश्न 01-05 के उत्तर लिखिए:

रामकृष्ण परमहंस कुछ समय के लिए जीना चाहते थे। केवल ठीक आदमी को संदेश दे देने भर के लिए।उन्होंने अनुभव किया कि यदि कोई इच्छा बाकी नहीं रही और कोई गति भी नहीं तो शरीर एह दम गिर जाएगा।इसलिए उन्होंने एक इच्छा को पैदा किया। उन्होंने लगातार प्रयत्न किया कि कम से कम एक इच्छा तो बाकी रहे जब तक वे संदेश ठीक व्यक्ति को नहीं दे देते।यह बुद्ध के लिए घटित नहीं हुआ,यह महावीर के लिए भी नहीं हुआ।फिर यह रामकृष्ण को ही क्यों हुआ? बुद्ध के समय में व्यक्तियों को खोजना कोई मुश्किल काम नहीं था।इतने लोग उपलब्ध थे कि किसी क्षण किसी को भी संदेश दिया जा सकता था, परंतु रामकृष्ण के लिए वह बहुत असंभव बात थी कि व्यक्ति को खोजा जा सके। इसलिए रामकृष्ण अकेले आदमी हैं मनुष्य-जाति के पूरे इतिहास में,जिन्होंने कि जबरन जीने की कोशिश की ताकि ठीक व्यक्ति को पा सकें।और जब विवेकानंद उनके पास पहली बार आए तो उन्होंने कहा 'कहाँ हो तुम? मैं कब से तुम्हारी राह देख रहा हूँ, मैं कब से तुम्हारी प्रतीक्षा कर रहा हूँ।' और जब विवेकानंद को समाधि की पहली झलक मिली,तो रामकृष्ण ने उन्हें रोक दिया।रामकृष्ण ने कहा कि 'अब और नहीं',क्योंकि फिर तुम्हें भी वही मुसीबत होगी जो मुझे हुई।इसलिए यहीं तक रहो।इससे आगे मत जाओ।

1. रामकृष्ण कैसी इच्छा जागृत करने का प्रयत्न कर रहे थे? क्यों?
2. रामकृष्ण के लिए असंभव बात क्या थी?
3. रामकृष्ण ने जबरन जीने की कोशिश क्यों की?
4. रामकृष्ण विवेकानंद की प्रतीक्षा क्यों कर रहे थे?
5. रामकृष्ण ने विवेकानंद को कब रोका?

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
माध्यमिक पाठ्यक्रम : हिंदी
पाठ 10 : पढ़ें कैसे
कार्यपत्रक - 10

प्रश्न : निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और प्रश्न 6-10 के उत्तर दीजिए :

पावस ऋतु थी, पर्वत प्रदेश,
पल-पल परिवर्तित प्रकृति वेश ।
मेखलाकार पर्वत अपार
अपने सहस्र दृग-सुमन फाड़,
अवलोक रहा है बार-बार
नीचे जल में निज महाकार,
जिसके चरणों में पला ताल
दर्पण-सा फैला है विशाल ।
गिरि का गौरव गाकर झर-झर
मद में नस-नस उत्तेजित कर
मोती की लड़ियों-से-सुंदर
झरते हैं झाग भरे निर्झर ।
गिरिवर के उर से उठ-उठ कर
उच्चाकांक्षाओं-से तरुवर
है झाँक रहे नीरव नभ पर
अनिमेष, अटल, कुछ चिंता पर ।

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
माध्यमिक पाठ्यक्रम : हिंदी
पाठ 10 : पढ़ें कैसे
कार्यपत्रक - 10

6 काव्यांश में किसका वर्णन किया गया है ?

7 तालाब की तुलना किससे की गई है और क्यों ?

8 झरने कैसे हैं और क्या कर रहे हैं ? आप झरनों की कल्पना कैसे करेंगे ?

9 काव्यांश में वृक्षों को क्या माना गया है ? आप को कवि की कल्पना कैसी लगी? अपने विचार व्यक्त कीजिये।

10 पेड़ों को किनके समान व्यक्त किया गया है ?